DI psy (sub)

Date - 28-5-2020
Dr. R... Kumari
Deptt. of PSY
R.N.D. ...

Q- थार्नडाइक के प्रयास और भूल सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या करें -

Ans- थार्नडाइक का प्रयास और भूल का सिद्धांत काफी लोकप्रिय रहा। थार्नडाइक ने अपने सिद्धांत का प्रतिपादन 1898 में और फिर 1913 में प्रकाशित हुई। थार्नडाइक के सिद्धांत के अनुसार जब जीव को नई परिस्थिति में रखा जाता है तो वह विभिन्न तरह-तरह की अनुक्रियाएँ करता है। जिसमें से अनुक्रियाएँ दोषपूर्ण होता है। जैसे- एक बिल्ली को पिंजड़े में बंद कर दिया जाता है 24 घंटों तक बिना भोजन के और 24 घंटा होने के बाद उसका प्रिय भोजन मछली को पिंजड़े के सामने रख दिया जाता है। बिल्ली तो भूखी रहती है और पिंजड़े का दरवाजा बंद कर दिया जाता है। बिल्ली तो भूखी रहती है और मछली को देखकर उसको खाने दौड़ जाता है। वह मछली को देखकर पिंजड़े में उछल कूद करने लगता है। बहुत देर तक उछल-कूद करने के बाद उसका पैर पिंजड़े के लीवर पर पड़ता है और दरवाजा

प्रयुक्त आता है और यह अपना लिए भोजन प्राप्त करता है और अपनी भूख को शांत कर लेता है। इसी प्रकार इस आदत का निर्माण से उदाहरण आता है। उसे ज्यादा समय नहीं लगा और बिल्ली अपना भोजन प्राप्त अपनी भूख को शांत कर लिया इसी प्रकार बिल्ली को बार-बार पिंजरे में बंद किया गया और उसे मालूम हो गया कि भीतर दरवाजा पिंजरा युक्त होता है। इस प्रकार वह प्रयास में सफल हो जाता है। कोई भी कार्य को पहली बार करने में समय नहीं लगता है लेकिन सीखने प्रयास करने के बाद वह काम आसानी से हो जाता है। थार्नडाइक के अनुसार सीखने का संबंध स्थापित करना है। संबंध स्थापन में मनुष्य का मस्तिष्क काम करता है। यह संबंध अनेक प्रकार का हो सकता है तथा सीखने की प्रक्रिया में शारीरिक और मानसिक क्रियाओं का भिन्न मात्रा में योगदान हो सकता है। यह संबंध विशिष्ट और मानसिक क्रियाओं का भिन्न मात्रा में योगदान से मिलता है। यह संबंध विशिष्ट उत्तेजनाओं और प्रतिक्रियाओं के द्वारा स्नायुमंडल में स्थापित होता है।

Scanned with CamScanner